

UP PGT

**Previous Year Paper
(Economics) 2016
(Held On Feb 2019)**

प्रवक्ता परीक्षा, 2016

2 फरवरी, 2019 को सम्पन्न

अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

1. 'सापेक्ष करदान क्षमता एक वास्तविकता है, जबकि पूर्ण करदान क्षमता एक कल्पना है', यह कथन है-

- (a) आर.ए. मसग्रेव का (b) एच. डॉल्टन का
(c) जे.के. मेहता का (d) फिंडले शिराज का

उत्तर—(b)

'सापेक्ष करदान क्षमता एक वास्तविकता है, जबकि पूर्ण करदान क्षमता एक कल्पना है', यह कथन डॉल्टन का है। जबकि फिंडले शिराज ने निरपेक्ष करदान क्षमता का तर्क दिया था।

2. यदि एक गांव के कृषकों को तीन कोटियों में बांटा जाता है- सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो यह कहलाता है-

- (a) प्रणालीगत नमूनाकरण (b) अनुक्रमित नमूनाकरण
(c) कलस्टर नमूनाकरण (d) बहुचरणीय नमूनाकरण

उत्तर—(b)

यदि एक गांव के कृषकों को तीन कोटियों में बांटा जाता है- सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो इस प्रकार लिया गया नमूना अनुक्रमित नमूनाकरण कहलाता है।

3. एक बंटन के अनुरूप की बेहतर परखी जाती है-

- (a) t-परीक्षण द्वारा (b) काई-स्क्वायर परीक्षण द्वारा
(c) F-परीक्षण द्वारा (d) इनमें से सभी द्वारा

उत्तर—(b)

एक बंटन के अनुरूप की बेहतर स्थिति को परखने हेतु काई-स्क्वायर परीक्षण का प्रयोग किया जाता है।

4. T-परीक्षण विकसित किया गया-

- (a) आर.ए. फिशर द्वारा (b) सर विलियम गोसे द्वारा
(c) कार्ल पियरसन द्वारा (d) के. वालिस द्वारा

उत्तर—(b)

T-परीक्षण सर विलियम गोसे द्वारा विकसित किया गया।

5. वह मुद्रा जो या तो बेहतर आय या प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण एक देश से दूसरे देश में शीघ्रता से प्रवाहित होती है वह कहलाती है-

- (a) कठोर मुद्रा (b) गर्म मुद्रा (c) मृदु मुद्रा (d) शीतल मुद्रा

उत्तर—(b)

हॉट मनी या 'रिफ्यूजी पूंजी' वह पूंजी या मुद्रा होती है जिसमें शीघ्र पलायन करने की प्रवृत्ति होती है। जिस स्थान पर अधिक लाभ मिलने की संभावनाएं होती हैं, वहीं पलायन कर जाती है, जैसे- अमेरिकी डॉलर।

6. 'ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस रिपोर्ट' निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा जारी की जाती है?

- (a) विश्व व्यापार संगठन (b) डब्ल्यू. एच. ओ.
(c) विश्व बैंक (d) विश्व आर्थिक फोरम

उत्तर—(d)

'ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस रिपोर्ट' विश्व आर्थिक फोरम (WEC) द्वारा जारी की जाती है।

7. कीन्सवादियों के अनुसार रेंगती मुद्रास्फीति सहायता करती है-

- (a) बेरोजगारी न्यूनतम करने में
(b) वास्तविक उत्पाद अधिकतम करने में
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

कीन्सवादियों के अनुसार रेंगती मुद्रास्फीति बेरोजगारों को न्यूनतम करने वास्तविक उत्पाद को अधिकतम करने आदि में सहायता करती है।

8. किसी समिति ने भारत में कृषि जोत पर कर की संस्तुति की?

- (a) टंडन समिति (b) राज समिति
(c) केलकर समिति (d) दंतवला समिति

उत्तर—(b)

वर्ष 1972 में Taxation of Agricultural Wealth and Income-K.N. Raj की अध्यक्षता में कर सुधार की दिशा में एक समिति गठित की गई जिसने निम्न सुझाव दिए-

कृषि जोत कर लगाने का सुझाव, कृषि तथा गैर-कृषि आय को निर्धारित करके आंशिक रूप से जोड़ना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बी.वेंकटैया की अध्यक्षता में रिजर्व बैंक ने 'अखिल भारतीय ग्रामीण साख समीक्षा समिति' गठित की थी जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1969 में दी थी। रिजर्व बैंक ने ए.एम. खुशरो की अध्यक्षता में भी 'अखिल भारतीय ग्रामीण साख समीक्षा समिति', गठित की थी जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1989 में दी थी।
- (NABARD) नाबार्ड की स्थापना 'शिवरामन कमेटी' की संस्तुति पर 12 जुलाई, 1982 को हुई थी।
- विद्यानाथन समिति (2004) ग्रामीण सहकारी साख समितियों के सुधार से संबंधित है।

9. आर. बी. आर. मुद्रा- आपूर्ति के चार घटकों यथा M^1, M^2, M^3 , और M^4 की गणना करता है। निम्नलिखित में से गलत युग्म चुनिए-
- M^1 जनता के पास मुद्रा और सिक्के, बैंक की मांग निक्षेपों से बना है
 - M^2, M^1 और डाकघर के निक्षेपों से बनता है
 - M^3 में M^2 और M^1 का योग शामिल है
 - M^4 में M^3 और मांग के साथ-साथ डाकघर के समय निक्षेप शामिल होते हैं

उत्तर—(c)

वर्ष 1967-68 तक मुद्रा पूर्ति का केवल एक ही माप-M प्रदर्शित करता था ($M=C+DD+OD$) जो बाद में M_1 के रूप में व्यक्त हुआ। वर्ष 1967-68 के बाद RBI ने व्यापक मुद्रा की धारणा (M_3) स्वीकार की।

$$M_1 = C+DD+OD$$

$$M_2 = M_1 + \text{पोस्ट ऑफिस की बचत बैंक जमाएं}$$

$$M_3 = M_1 + \text{बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमाएं}$$

$$M_4 = M_3 + \text{पोस्ट ऑफिस की कुल जमाएं}$$

$$M_1 \text{ सबसे तरल तथा } M_4 \text{ सबसे अतरल होता है।}$$

$$M_3 \text{ को 'व्यापक मुद्रा' कहते हैं।}$$

10. हेक्शर-ऑलिन मॉडल द्वारा किस प्रकार के व्यापार का वर्णन नहीं किया गया?

- पैमाना की किफायतों पर आधारित व्यापार
- अंतरा उद्योग व्यापार
- अनुकरण अंतराल और उत्पाद चक्र पर आधारित व्यापार
- उक्त सभी

उत्तर—(d)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिप्रेक्ष्य में हेक्सर-ओहलिन प्रतिपादित सिद्धांत की मान्यताएं निम्नलिखित हैं-

- दो देश, दो वस्तुएं और उत्पादन के दो साधन हैं, अर्थात् $2 \times 2 \times 2$ मॉडल है।
- वस्तु तथा साधन बाजारों में पूर्ण प्रतियोगिता है।
- दोनों देशों में उत्पादन के सभी संसाधन पूर्णतः रोजगार में हैं।
- विभिन्न प्रदेशों की साधन संपन्नताओं में अंतर है, परंतु गुणात्मक रूप से वे समरूप हैं।
- दोनों वस्तुओं के उत्पादन फलनों की साधन गहनताएं विभिन्न हैं अर्थात् वे श्रमगहन तथा पूंजी गहन हैं।
- विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन फलन भिन्न-भिन्न हैं, परंतु दोनों देशों में प्रत्येक वस्तु के उत्पादन फलन समान हैं।
- प्रत्येक प्रदेश के भीतर साधन पूर्णतया गतिशील हैं, परंतु अंतर्राष्ट्रीय रूप से वे गतिहीन हैं।
- दोनों देशों के बीच मुक्त तथा बिना किसी प्रतिबंध के व्यापार है।
- प्रत्येक प्रदेश में प्रत्येक वस्तु के उत्पादन में पैमाने के स्थिर-प्रतिफल हैं।

11. अग्र-अंतरणशील कर प्रभावित करेगा-

- खरीददारों को विक्रेता से ज्यादा
- विक्रेता को क्रेता से ज्यादा

- क्रेताओं और विक्रेताओं को समान रूप में
- सरकारी राजस्व को ऋणात्मक रूप से

उत्तर—(a)

अग्र-अंतरणशील कर खरीददारों को विक्रेता से ज्यादा प्रभावित करेगा।

12. निम्नलिखित में से किसे गुणक में रिसाव के रूप में माना जाता है?

- बचत के लिए उच्च सीमांत प्रवृत्ति (b) आयात की उच्चतर प्रवृत्ति
- (a) और (b) दोनों
- इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

गुणक का मान अधिक तब होता है, जब आय अर्जन एवं व्यय में समय अंतराल हो। क्योंकि जब निर्यात बढ़ते हैं, तब निर्यात उद्योगों से संबंधित व्यक्ति की आय भी बढ़ती है, जो आगे वस्तुओं के लिए मांग उत्पन्न करती है और यह मांग उनकी सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) एवं सीमांत आयात प्रवृत्ति (MPM) पर निर्भर करता है। इस तरह ये दोनों प्रवृत्तियां जितनी कम होंगी गुणक का मूल्य उतना ही अधिक होगा।

MPS एवं MPM व्यय को दर्शाती हैं।

$$K_f = \frac{1}{MPS + MPM}$$

(जहां K_f गुणक है।)

स्पष्ट है कि MPS एवं MPM जितना कम होगा गुणक का मूल्य उतना ही अधिक होगा।

13. अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राशिपातन संदर्भित करता है-

- घरेलू बाजार में वस्तुएं सस्ती बेचना और विदेशी बाजार में महंगी बेचना
- कम मूल्य की निम्नतर वस्तुएं विकसित देशों द्वारा एल.डी.सी. में बेचना
- विदेशी बाजार में चीजें सस्ती बेचना और घरेलू बाजार में महंगी बेचना
- विकसित अर्थव्यवस्था में एल.डी.सी. द्वारा निम्न मूल्य की वस्तुएं बेचना

उत्तर—(c)

लागत से कम या घरेलू बाजार में जिस मूल्य पर कोई वस्तु बेची जा रही है, उससे कम मूल्य पर निर्यात करना जिससे दूसरे देश का बाजार छीना जा सके, डंपिंग (राशिपातन) कहते हैं।

14. श्रम लगाने में फर्म द्वारा वहन की गई लागत कहलाती है-

- सुनिश्चित लागत
- अस्पष्ट लागत
- सीमांत लागत
- अवसर लागत

उत्तर—(a)

'मौद्रिक लागत' को 'आर्थिक लागत' कहा जाता है। मौद्रिक लागत तथा आर्थिक लागत किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को कहा जाता है। इसके अंतर्गत तीन लागतों को सम्मिलित किया जाता है-

1. सुनिश्चित लागतें या व्यक्त लागतें (Explicit Cost)- इन्हें 'लेखांकन लागतें' भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत वे सभी व्यय आते हैं जो एक उत्पादक उत्पादन करने के लिए व्यय करता है, जैसे- कच्चे माल के क्रय पर व्यय, उत्पादन के विभिन्न साधनों को दिया जाने वाला लगान, ब्याज, वेतन आदि के रूप में उत्पादन लागत, विज्ञापन व्यय, विक्रय लागत, बीमा व्यय, कर आदि।

2. अंतर्निहित/अव्यक्त लागतें (Inputed Costs)- इसके अंतर्गत वे व्यय आते हैं जो उस समय उपस्थित होते हैं जबकि उत्पादन क्रिया में प्रयोग में आने वाले कुछ साधन स्वयं नियोक्ता के हों। जैसे प्रबंधकर्ता- मालिक का वेतन, जो वेतन न लेकर सामान्य लाभ से ही संतुष्ट है, यदि बिल्डिंग उद्योगपति की अपनी हो, तो उसका अनुमानित किराया, उद्योगपति की अपनी लगाई हुई पूंजी का ब्याज आदि।

3. सामान्य लाभ (Normal Profit)- लाभ की वह न्यूनतम मात्रा, जिसके बिना कोई भी साहसी किसी उद्योग में बना नहीं रह सकता है।
 आर्थिक लागत या मौद्रिक लागत = लेखांकन लागत + अव्यक्त लागत + सामान्य लाभ

15. यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अनंत लोचशील और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पूर्ति पूर्णतः बेलोचदार है, तब समग्र प्रशुल्क-

- घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा देय होगा
- विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा
- समान रूप से घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा
- उत्पाद न तो राजस्व और न ही सुरक्षा देगा

उत्तर—(b)

यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अनंत लोचशील और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पूर्ति पूर्णतः बेलोचदार है, तब समग्र प्रशुल्क- विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा।

16. समकालिक समीकरण की अति जात प्रणाली का अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त तकनीक है-

- साधारण न्यूनतम वर्ग
- अधिकतम संभाव्यता
- सीमित सूचना अधिकतम संभाव्यता
- द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग

उत्तर—(d)

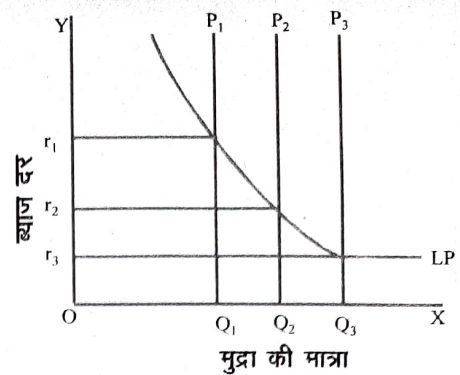
समकालिक समीकरण की अति जात प्रणाली का अनुमान लगाने के लिए द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग तकनीक प्रयोग की जाती है।

17. तरलता जाल वह स्थिति है जब-

- सभी संभावित निवेशक भविष्य में ब्याज दर बढ़ने की अपेक्षा करते हैं
- प्राकृतिक ब्याज दर आलोच्य ब्याज दर से ऊपर है
- सभी संभावित निवेशक भविष्य में ब्याज दर कम होने की अपेक्षा करते हैं
- सट्टा उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग ब्याज आलोचशील है

उत्तर—(a)

तरलता जाल एक ऐसी स्थिति है जिसमें पहुंचने के बाद मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि के द्वारा भी ब्याज दर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि तरलता अधिमान वक्र पूर्णतया लोचदार हो जाता है। इस प्रकार मौद्रिक नीति विनियोग को प्रोत्साहित करने में असफल हो जाती है। इस धारणा का प्रतिपादन कीन्स ने वर्ष 1930 की विश्व मंदी की अवस्था को चिह्नित करने के लिए किया।



अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कीन्स के अनुसार, तरलता जाल की स्थिति से निकलने के लिए राजकोषीय नीति का सहारा लेना चाहिए तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि लानी चाहिए।
- इस अवस्था में सभी विनियोजक मंदड़िए की प्रकृति के हो जाते हैं। निम्नतम ब्याज दर पर तरलता की मांग पूर्णतया लोचदार हो जाती है।
- तरलता जाल में निष्क्रिय नकदी शेष की मांग बढ़ जाती है, लोग बॉण्ड बेचने लगते हैं।

18. ई-शक्ति परियोजना किसने अपनाया है?

- NABARD
- RRB
- SIDBI
- SBI

उत्तर—(a)

ई-शक्ति परियोजना नाबार्ड (NABARD) द्वारा अपनाया गया है।

19. भारत सरकार द्वारा न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) निम्नलिखित में किस कर के साथ लगाया जाता है?

- निजी आयकर
- निगम कर
- सेवा कर
- व्यय कर

उत्तर—(b)

भारत सरकार द्वारा न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) निगम कर के साथ लगाया जाता था।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रत्यक्ष कर नहीं है?

- बिक्री कर
- आय कर
- संपत्ति कर
- संपदा शुल्क

उत्तर—(a)

अप्रत्यक्ष अथवा परोक्ष कर वे कर हैं, जिनके करभार को करदाता दूसरों पर टालने में सफल हो जाते हैं। इन करों का तात्कालिक और अंतिम भार अलग-अलग व्यक्तियों पर होता है। अप्रत्यक्ष कर निम्न हैं- केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, बिक्रीकर आदि।

करों का वर्गीकरण

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
1. आयकर	1. सीमा शुल्क
2. निगम कर	2. केंद्रीय उत्पाद शुल्क
3. संपत्ति कर	3. सेवाकर
4. सम्पदा कर	4. बिक्री कर
4. उपहार कर	5. वैट
	6. प्रतिभूति-लेन-देन कर

मौद्रिक नीति एक अन्य महत्वपूर्ण साधन है जिसके द्वारा समष्टिपरक आर्थिक नीति के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। राजकोषीय नीति के समान ही मौद्रिक नीति का भी बृहद उद्देश्य उत्पादन के पूर्ण रोजगार स्तर पर साम्य की स्थापना करना तथा अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता को सुनिश्चित करना है। मौद्रिक नीति समग्र मांग के स्तर को प्रभावित करके पूर्ण रोजगार अथवा संभावी उत्पादन स्तर पर अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने के उद्देश्य से मुद्रा की पूर्ति तथा ब्याज दर में परिवर्तन करने से संबंधित होती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

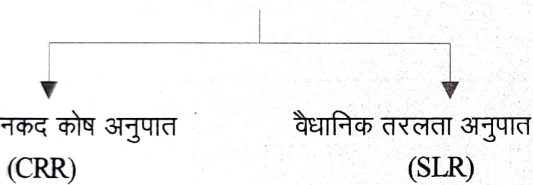
➔ मौद्रिक नीति के चार बड़े उपकरण निम्न हैं-

1. खुले बाजार की क्रियाएं (Open Market Operations),
2. बैंक दर में परिवर्तन,
3. नकद कोष अनुपात में परिवर्तन करना,
4. चयनात्मक साख नियंत्रण करना।

➔ मौद्रिक या साख नियंत्रण के दो तरीके हैं-

(A) सामान्य तरीके या परिमाणात्मक तरीके (Quantitative Measures)

- a. बैंक दर (b) सीमांत या स्थायी सुविधा दर
- c. खुली बाजार की क्रियाएं
- d. रेपो तथा रिवर्स रेपो, एल ए.एफ (अल्पकालीन)
- e. परिवर्तनीय कोष अनुपात (VRR)



(B) चयनात्मक या गुणात्मक तरीके (Qualitative Measures)

1. न्यूनतम सीमा या मार्जिन निर्धारण
2. नैतिक दबाव
3. साख मापदंड का निर्धारण
4. साख स्वीकृतिकरण योजना

30. एक प्रतिगामी कर के साथ, जैसे आय-

- (a) बढ़ती है, कर की दर समान रहती है
- (b) घटती है, कर की दर घटती है
- (c) बढ़ती है, कर की दर बढ़ती है
- (d) बढ़ती है, कर की दर घटती है

उत्तर-(d)

लोक वित्त में न्याय एवं कर भार की दृष्टि से करों को चार भागों में बांटा जाता है-

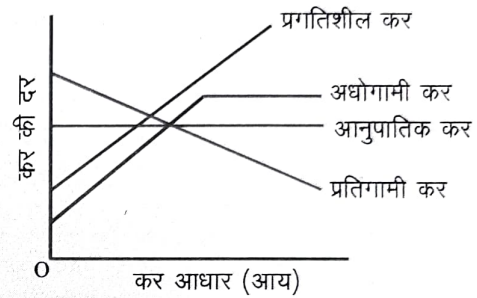
1. **आनुपातिक कर (Proportional Taxation)**- यह कर की वह दर है जिसमें कर के आधार में परिवर्तन होने पर भी कर की दर समान रहती है। इसके अंतर्गत सभी करदाता अपनी आय का समान अनुपात करों के रूप में भुगतान करते हैं।
2. **प्रगतिशील कर/आरोही कर (Progressive Tax)** - इस कर प्रणाली में आय की वृद्धि के साथ ही कर दर में भी वृद्धि होती है

अर्थात् 'अधिक आय, अधिक कर की दर'। इसमें करदाता की आय जितनी अधिक होती है, उतने ही अधिक अनुपात में वह कर अदा करता है। यह कर प्रणाली आय की असमानताओं को कम करती है।

3. **प्रतिगामी या अवरोही कर (Regressive Tax)** - इसमें कर की दर कर के आधार (आय) की वृद्धि के साथ क्रमशः घटती जाती है। इसके अंतर्गत करदाता की आय जितनी अधिक होती है, कर का दिया जाने वाला अनुपात उतना ही कम होता है। इस कर का अधिक बोझ गरीबों के ऊपर पड़ता है, जैसे- निम्न आय पर 10 प्रतिशत कर और ऊंची आय पर 5 प्रतिशत कर।

4. **अधोगामी कर (Degressive Tax)** - यह कर प्रणाली प्रगतिशील तथा आनुपातिक कर प्रणाली का मिश्रण है। इसमें एक निश्चित सीमा तक कर प्रगतिशील होते हैं, किंतु इस सीमा के बाद यह कर आनुपातिक बन जाते हैं। भारत में इसी प्रकार की कर प्रणाली पाई जाती है।

इन चारों कर प्रणालियों को निम्नांकित चित्र में दिखाया गया है-



31. भुगतान संतुलन खातों की संरचना व्यवस्थित कीजिए जिसमें वे दिखते हैं।

1. पूंजी खाता
2. त्रुटि और चूक
3. चालू खाता
4. आधिकारिक निपटान खाता

- (a) 1, 2, 3, 4
- (b) 3, 1, 4, 2
- (c) 4, 3, 2, 1
- (d) 3, 4, 1, 2

उत्तर-(b)

भुगतान संतुलन खातों की संरचना का व्यवस्थित क्रम है- चालू खाता, पूंजी खाता, आधिकारिक निपटान तथा त्रुटि और चूक।

32. करारोपण में समता सामान्यतः संतुष्ट की हुई मानी जाती है।

- (a) आनुपातिक करारोपण द्वारा
- (b) प्रगतिशील करारोपण द्वारा
- (c) प्रतिगामी करारोपण द्वारा
- (d) एकमुश्ती कर द्वारा

उत्तर-(b)

प्रगतिशील करारोपण वह होता है जिसमें आय की वृद्धि के साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। प्रगतिशील करारोपण को अधिक न्यायपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसका बोझ आय की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ बढ़ता है। डॉल्टन ने भी आय की विषमता को दूर करने के लिए प्रगतिशील सार्वजनिक व्यय तथा प्रगतिशील करारोपण के संयोग को अधिक प्रभावी माना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-

- ➔ सार्वजनिक व्यय से होने वाला लाभ यदि आय के बढ़ते स्तर के साथ घटे तो सार्वजनिक व्यय को 'प्रगतिशील व्यय', यदि बढ़े तो 'प्रतिगामी व्यय' तथा यदि स्थिर रहे तो 'आनुपातिक व्यय' कहते हैं।
- ➔ महंगाई भत्ते की दर यदि वेतन की वृद्धि के साथ घटे तो प्रगतिशील व्यय यदि बढ़े तो प्रतिगामी व्यय तथा यदि स्थिर रहे तो इसे आनुपातिक व्यय कहेंगे।

41. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत में महिलाओं के उत्थापन की एक योजना नहीं है-

- (a) बेंटी बचाओ और बेंटी पढ़ाओ (b) सुकन्या समृद्धि योजना
(c) लैंगिक बजटिंग (d) उज्ज्वला योजना

उत्तर—(d)

उज्ज्वला योजना महिलाओं के उत्थापन या सशक्तीकरण की योजना नहीं है। शेष तीनों महिला सशक्तीकरण हेतु लागू की गई हैं।

42. आयकर सामान्यतः किस सिद्धांत पर आधारित है?

- (a) प्राप्तलाभ सिद्धांत
(b) करदेय योग्यता सिद्धांत
(c) भुगतान करने की तत्परता का सिद्धांत
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

आयकर सामान्यतः करदेय योग्यता सिद्धांत पर आधारित है।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा सरकारी बजट में एक पूंजी प्राप्ति है?

- (a) सरकार द्वारा अन्य पार्टियों को दिए गए ऋणों पर ब्याज प्राप्ति
(b) सार्वजनिक उद्यमों का लाभांश और लाभ
(c) जनता से सरकार की उधारियां
(d) संपत्ति कर प्राप्तियां

उत्तर—(c)

जनता से सरकार की उधारियां सरकारी बजट में पूंजी प्राप्ति में दिखाई जाती हैं।

44. 'स्फीतिक अंतराल' की अवधारणा का प्रतिपादन किया-

- (a) जे.एम. कीन्स ने (b) ऐ.सी. पीगू ने
(c) ए. मार्शल ने (d) जे.आर. हिक्स ने

उत्तर—(a)

स्फीतिक अंतराल (Inflationary Gap) की अवधारणा प्रो. जे. एम. कीन्स द्वारा दी गयी। जब समग्र मांग 'पूर्ण रोजगार स्तर पर' समग्र पूर्ति से अधिक होती है, तो यह मांग अधिक मांग (Excess demand) कहलाती है तथा यह अंतराल स्फीतिक अंतराल कहलाता है। इसे स्फीतिक अंतराल इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसके कारण अर्थव्यवस्था में स्फीति अर्थात् कीमतों में लगातार वृद्धि उत्पन्न हो जाती है।

45. ग्रेशम का नियम व्याख्या करता है कि 'बुरी' मुद्रा 'अच्छी' मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है-

- यह भारतीय अर्थव्यवस्था में काले धन के चलन का विश्लेषण करता है जो सामान्यतः हवाला मार्ग से कर स्वर्गों में जमा होता है।
- चीनी मुद्रा युआन ने विदेशी विनिमय बाजार में यू.एस. डॉलर के प्राबल्य को प्रतिस्थापित किया-

नीचे दिए गए कूट के प्रयोग द्वारा असत्य कथन चुनिए।

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न 2

उत्तर—(c)

सामाजिक विज्ञान

ब्रिटेन के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री सर टॉमस ग्रेशम महारानी एलिजाबेथ के आर्थिक सलाहकार थे। जिन्होंने कहा था कि- "बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर देती है"। ग्रेशम के इस कथन को ही 'ग्रेशम का नियम' कहा जाता है।

46. स्थानापन्न के एक युग्म के लिए मांग प्रतिलोच होती है-

- (a) धनात्मक (b) इकाई (c) ऋणात्मक (d) अनंत

उत्तर—(a)

आड़ी लोच का मान

O

-

+

∞

(अनंत)

वस्तु का स्वभाव

स्वतंत्र वस्तु

पूरक वस्तु

स्थानापन्न वस्तु

पूर्ण स्थानापन्न वस्तु

स्थानापन्न वस्तु - यदि किसी वस्तु का मूल्य बढ़ने (घटने) पर किसी अन्य वस्तु की मांग बढ़ती (घटती) है तो वस्तुएं एक-दूसरे की स्थानापन्न होंगी।

पूरक वस्तु - यदि किसी वस्तु का मूल्य बढ़ने (घटने) पर किसी अन्य वस्तु की मांग घटती (बढ़ती) है तो वस्तुएं परस्पर पूरक कहलाएंगी।

मांग की आड़ी लोच से तात्पर्य किसी संबंधित वस्तु के मूल्य में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप किसी दी हुई वस्तु की मांगी गई मात्रा में जो सापेक्षिक परिवर्तन होता है, उसकी माप ही मांग की आड़ी लोच है।

47. लघु अवधि में, फर्म की निश्चित लागत-

- (a) शून्य है
(b) छोड़ी नहीं जा सकती
(c) उत्पादन की कटौती शून्य तक लाने के द्वारा ही केवल बचा जा सकता
(d) उत्पादन के साथ प्रत्यक्षतः परिवर्त्य

उत्तर—(b)

'मौद्रिक लागत' को 'आर्थिक लागत' कहा जाता है। मौद्रिक लागत तथा आर्थिक लागत किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को कहा जाता है। इसके अंतर्गत तीन लागतों को सम्मिलित किया जाता है-

1. **सुनिश्चित लागतें या व्यक्त लागतें (Explicit Cost)**- इन्हें 'लेखांकन लागतें' भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत वे सभी व्यय आते हैं जो एक उत्पादक उत्पादन करने के लिए व्यय करता है, जैसे- कच्चे माल के क्रय पर व्यय, उत्पादन के विभिन्न साधनों को दिया जाने वाला लगान, ब्याज, वेतन आदि के रूप में उत्पादन लागत, विज्ञापन व्यय, विक्रय लागत, बीमा व्यय, कर आदि।

2. **अंतर्निहित/अव्यक्त लागतें (Imputed Costs)**- इसके अंतर्गत वे व्यय आते हैं जो उस समय उपस्थित होते हैं जबकि उत्पादन क्रिया में प्रयोग में आने वाले कुछ साधन स्वयं नियोक्ता के हों। जैसे प्रबंधकर्ता- मालिक का वेतन, जो वेतन न लेकर सामान्य लाभ से ही संतुष्ट है, यदि बिल्डिंग उद्योगपति की अपनी हो, तो उसका अनुमानित किराया, उद्योगपति की अपनी लगाई हुई पूंजी का ब्याज आदि।

3. **सामान्य लाभ (Normal Profit)**- लाभ की वह न्यूनतम मात्रा, जिसके बिना कोई भी साहसी किसी उद्योग में बना नहीं रह सकता है।
आर्थिक लागत या मौद्रिक लागत = लेखांकन लागत + अव्यक्त लागत + सामान्य लाभ

48. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पूर्णतः प्रतिस्पर्धा बाजार का सर्वोत्तम उदाहरण है?

- (a) हीरे (b) कृषि (c) एथलेटिक (d) मृदु पेय

उत्तर—(b)

कृषि पूर्णतः प्रतिस्पर्धी बाजार का सर्वोत्तम उदाहरण है क्योंकि यहां प्रतिस्पर्धी बाजार के समीकरण पाये जाते हैं-

पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत विक्रेताओं की अधिक संख्या, समरूप वस्तुओं का उत्पादन, बाजार की पूर्ण जानकारी, फर्मों के स्वतंत्र प्रवेश तथा बहिर्गमन के कारण किसी वस्तु की एक कीमत निर्धारित होती है तथा फर्मों के व्यवहार का कोई प्रभाव मूल्य पर नहीं पड़ता है। इस कारण से पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत एक व्यक्तिगत फर्म के मांग वक्र का स्वरूप पूर्णतया लोचदार अर्थात् x -अक्ष के समानांतर होता है।

49. एक मूल्य और गुणवत्ता निर्धारक करार कहलाता है-

- (a) दुरभिसंधि (b) मूल्य केंद्रण
(c) मूल्य नेतृत्व (d) गैर-दुरभिसंधि

उत्तर—(a)

एक मूल्य और गुणवत्ता निर्धारक करार दुरभिसंधि (Collusion) कहलाता है।

50. 'ब्याज तरलता से विदा होने का पुरस्कार है' अवधारित किया गया-

- (a) ओहलिन द्वारा (b) एच. नाइट द्वारा
(c) जे.एम. कीन्स द्वारा (d) ए. मार्शल द्वारा

उत्तर—(c)

ब्याज के तरलता पसंदगी के सिद्धांत को प्रो. जे.एम.कीन्स ने प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत के अनुसार, ब्याज वह प्रतिफल है जो एक निश्चित समय के तरलता के परित्याग के लिए होता है। इसके अनुसार, ब्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं मुद्रा की पूर्ति जैसी शक्तियों से निर्धारित होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-

- ☛ तरलता जाल की स्थिति में न्यून ब्याज दर पर तरलता की मांग पूर्णतया लोचदार होती है।
- ☛ कीन्स ने यह भी प्रतिपादित किया कि अवसाद से किसी अर्थव्यवस्था को बाहर निकालने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार राजकोषीय नीति का सहारा ले तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि लाएं।

51. लाभ का गतिशील सिद्धांत प्रतिपादित किया गया-

- (a) ए. मार्शल द्वारा (b) वाल्वास द्वारा
(c) जे.बी. क्लार्क द्वारा (d) शुम्पीटर द्वारा

उत्तर—(c)

लाभ का गतिशील सिद्धांत जे.बी. क्लार्क द्वारा प्रतिपादित किया गया।

52. यदि एम.पी.सी. 0.75 है तब गुणक का मान होगा-

- (a) 3.00 (b) 4.00 (c) 3.75 (d) 0.25

उत्तर—(b)

$$\text{गुणक (K)} = \frac{1}{1 - \text{MDC}} \quad (\text{यहां MDC} = .75)$$

$$\text{इसलिए } \frac{1}{1 - .75} = \frac{1}{.25} = 4.00$$

53. क्लासिकी प्रणाली के लक्षण हैं-

1. मौद्रिक कारक उत्पाद एवं रोजगार को निर्धारित करते हैं
2. अर्थव्यवस्था की स्वसमायोजन प्रणाली
3. प्रत्यक्ष विकास पर राज्य कार्यवाई
4. राज्य के नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से परिस्थिति का इष्टतम उपयोग

दिए गए उक्त में से कौन-सा सही है?

- (a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1, 2 और 4

उत्तर—(c)

क्लासिकी प्रणाली के लक्षण हैं- अर्थव्यवस्था में स्वसमायोजन तथा राज्य के नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से परिस्थिति का इष्टतम उपयोग।

54. मूल्य विभेदीकरण की किस श्रेणी के अंतर्गत क्रेता का उपभोक्ता अतिरेक अनुपस्थिति होता है-

- (a) प्रथम श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण (b) द्वितीय श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण
(c) तृतीय श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण (d) उक्त सभी

उत्तर—(a)

मूल्य विभेदीकरण की प्रथम श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण के अंतर्गत क्रेता का उपभोक्ता अतिरेक अनुपस्थिति होता है।

55. यदि पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार के अंतर्गत एक फर्म का मूल्य रु. 40 है, तब उसका औसत आगम होगा-

- (a) रु. 40 के बराबर (b) रु. 40 से अधिक
(c) रु. 40 से कम (d) अपर्याप्त आंकड़े

उत्तर—(a)

चूंकि पूर्ण प्रतियोगिता में औसत आगम (AR) की कीमत (P) को ही प्रदर्शित करता है। अतः कीमत 40 रुपया होने पर फर्म का औसत आगम (AR) की 40 रुपया होगा।

56. सभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार सेवाएं निम्नलिखित में से किस WTO करार के अंतर्गत आती हैं?

- (a) GATs (b) TRIPs (c) TRIMs (d) PTA

उत्तर—(a)

सभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार सेवाएं WTO करार के GATs के अंतर्गत आती हैं।

57. निर्यातक अपने जोखिम को किसके द्वारा कम कर सकते हैं?

- (a) सट्टेबाजी (b) अंतरपणन (c) प्रतिरक्षण (d) वायदा

उत्तर—(c)

निर्यातक अपने जोखिम को प्रतिरक्षण (Hedging) द्वारा कम कर सकते हैं।

58. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरराष्ट्रीय संगठन विकासशील देशों में किए जाने वाले एफ.डी.आई. की रक्षा हेतु राजनैतिक बीमा की गारंटी देता है?

- (a) IDA (b) IMF (c) IFC (d) MIGA

उत्तर—(d)

अंतरराष्ट्रीय संगठन मीगा (MIGA) विकासशील देशों में किए जाने वाले एफ.डी.आई. की रक्षा हेतु राजनैतिक बीमा की गारंटी देता है।

59. दिसंबर, 2017 तक, कितने देश WTO के सदस्य थे?

- (a) 160 (b) 164 (c) 165 (d) 162

उत्तर—(b)

‘विश्व व्यापार संगठन’ (WTO) का मुख्यालय जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थित है। इसकी स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई। वर्तमान में इसके सदस्यों की संख्या 160 है तथा ब्राजील के रॉबर्टो अजेवेडो इसके महानिदेशक हैं। दिसंबर, 2015 के मध्य WTO का 10वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (नैरोबी) केन्या में संपन्न हुआ जिसमें लाइबेरिया को 163वें, एवं अफगानिस्तान को 164वें सदस्य देश के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई।

60. भुगतान संतुलन के विश्लेषण का ‘अवशोषण अभिगम’ निरूपित किया गया-

- (a) एम. फ्रीडमैन द्वारा (b) मार्शल और लर्नर द्वारा
(c) सिडनी एलेक्जेंडर द्वारा (d) हेबर्लर द्वारा

उत्तर—(c)

मुद्रा मूल्य का अवशोषण सिद्धांत सिडनी एस. एलेक्जेंडर ने दिया है। अवमूल्यन का अवशोषण सिद्धांत कीन्स के राष्ट्रीय आय संबंधों पर आधारित है, इसलिए इसे ‘भुगतान शेष का कीन्सीय मार्ग’ भी कहते हैं। सिडनी एलेक्जेंडर ने कीन्सीय शब्दावली और विचारधारा को लेकर अवमूल्यन के आय पर प्रभाव का विश्लेषण किया है। उनके अनुसार यदि किसी देश के भुगतान-शेष में घाटा हो तो इसका मतलब है कि लोग जितना उत्पादन करते हैं उससे अधिक अवशोषण (Absorb) कर रहे हैं अर्थात् राष्ट्रीय आय से उपभोग और निवेश पर घरेलू व्यय अधिक है। यदि भुगतान-शेष में अतिरेक है तो वे कम अवशोषण कर रहे हैं, अर्थात् राष्ट्रीय आय से उपभोग और निवेश पर घरेलू व्यय कम है।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) का अंतिम सत्र है?

- (a) सिंगापुर सत्र (b) जेनेवा सत्र
(c) वाशिंगटन सत्र (d) उरुग्वे सत्र

उत्तर—(d)

प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) का अंतिम सत्र उरुग्वे सत्र है।

62. किस पंचवर्षीय योजना में, भारत में राष्ट्रीय बागवान मिशन (NHM) शुरू किया गया?

- (a) 8वीं पंचवर्षीय योजना (b) 9वीं पंचवर्षीय योजना
(c) 10वीं पंचवर्षीय योजना (d) 11वीं पंचवर्षीय योजना

उत्तर—(c)

10वीं पंचवर्षीय योजना (मई, 2005) में भारत में राष्ट्रीय बागवान मिशन (NHM) शुरू किया गया।

63. सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों के पुनर्जीवन और पुनर्संरचना के लिए, कौन-सी समिति बनाई गई?

- (a) वर्मा समिति (b) नरसिम्हन समिति
(c) रेखी समिति (d) गोइपोरिया समिति

उत्तर—(b)

सामाजिक विज्ञान

सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों के पुनर्जीवन और पुनर्संरचना के लिए नरसिम्हन समिति बनाई गई थी।

64. निम्नलिखित में से कौन मध्यवर्ती प्रश्रय के ऋणदाता के रूप में कार्य करेगा?

- (a) RBI (b) NABARD
(c) SBI (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) मध्यवर्ती प्रश्रय के ऋणदाता के रूप में कार्य करेगा।

65. दो चरों के बीच संबंध की डिग्री के निर्धारण में प्रयुक्त सांख्यिकी तकनीक कहलाती है-

- (a) प्रकीर्णन (b) सूचकांक (c) सहसंबंध (d) कर्टोसिस

उत्तर—(c)

दो चरों के बीच संबंध की डिग्री के निर्धारण में प्रयुक्त सांख्यिकी तकनीक सहसंबंध कहलाती है।

66. शून्य परिकल्पना और वैकल्पिक परिकल्पना दर्शाई जाती है-

- (a) H_0, H_1 क्रमशः द्वारा (b) α, β क्रमशः द्वारा
(c) H_0^1, H_1^0 क्रमशः द्वारा (d) इनमें से किसी द्वारा नहीं

उत्तर—(c)

शून्य परिकल्पना और वैकल्पिक परिकल्पना क्रमशः H_0, H_1 द्वारा दर्शाई जाती है।

67. सीमाशुल्क संघ का सदैव परिणाम होता है-

- (a) व्यापार पथांतरण प्रभाव केवल (b) व्यापार सृजन प्रभाव केवल
(c) दोनों (a) और (b) (d) न तो (a) न (b)

उत्तर—(c)

सीमा शुल्क संघ का प्रभाव व्यापार पथांतरण (Trade diversion) तथा व्यापार सृजन दोनों पर पड़ता है।

68. बेहद सस्ती कीमत निर्धारण नीति बनाई गई है-

- (a) प्रतिस्पर्धी को कारोबार से बाहर निकालने हेतु
(b) लाभ अधिकतम करने हेतु
(c) बाजार में बाहरियों को बढ़ावा देने हेतु
(d) न्यूनतम लागत उत्पाद प्राप्त करने हेतु

उत्तर—(a)

बेहद सस्ती कीमत निर्धारण नीति प्रतिस्पर्धी को कारोबार से बाहर निकालने हेतु बनाई जाती है।

69. ‘पारस्परिक मांग’ की अवधारणा का प्रतिपादन किया गया-

- (a) एडम स्मिथ द्वारा (b) डेविड रिकार्डो द्वारा
(c) जे.एस. मिल द्वारा (d) पी.ए. सेम्युलसन द्वारा

उत्तर—(c)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पारस्परिक मांग सिद्धांत का प्रतिपादन जे.एस. मिल ने किया था। यह सिद्धांत किसी देश की एक वस्तु की मांग को अन्य वस्तु की उन मात्राओं के रूप में निर्दिष्ट करने के लिए प्रयोग किया जाता है जो वह बदले में छोड़ने को तैयार है।

77. जी.डी.पी. में अधिक आनुपातिक वृद्धि के सापेक्ष कर राजस्व में आनुपातिक वृद्धि कहलाती है-

- (a) कर की लोचशीलता (b) कर की उदासीनता
(c) कर की उत्प्लावकता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

जी.डी.पी. में अधिक आनुपातिक वृद्धि के सापेक्ष कर राजस्व में आनुपातिक वृद्धि कर की उत्प्लावकता कहलाती है।

78. भारतीय रुपया का अवलमूल्यन किया गया-

- (a) 2001 में (b) 1971 में (c) 1991 में (d) 1997 में

उत्तर—(c)

देश की मुद्रा के विदेशी मुद्राओं के संदर्भ मूल्य में कमी या विदेशी विनिमय दर में वृद्धि को 'अवमूल्यन' कहते हैं। अवमूल्यन के परिणामस्वरूप अवमूल्यन करने वाले देश की मुद्रा अन्य देशों की तुलना में सस्ती हो जाती है, फलस्वरूप विदेशों से आने वाला आयात महंगा हो जाता है जबकि निर्यात अवमूल्यन के बाद सस्ता हो जाता है। इसलिए निर्यात प्रोत्साहित तथा आयात हतोत्साहित होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अवमूल्यन के कारण अवमूल्यन करने वाले तथा अन्य देशों के आंतरिक मूल्य स्तर पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- यदि आयात एवं निर्यात के मूल्य मांग की लोच इकाई से कम है तो अवमूल्यन के बाद भुगतान शेष प्रतिकूल होगा या इकाई के बराबर होने पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- मार्शल लर्नर दशा, जो अवमूल्यन की प्रभावपूर्णता निर्धारित करती है, 'व्यष्टिपरक दृष्टिकोण' कहलाती है।
- सिडनी-अलेक्जेंडर ने समष्टि दृष्टिकोण विकसित किया जिसे 'अधिशोषण प्रत्यागम' (Absorption) कहते हैं।
- भारतीय रुपये का पहला अवमूल्यन 19 सितंबर, 1949 को किया गया। दूसरा अवमूल्यन 5 जून, 1966 को तथा तीसरा 1 जुलाई तथा 3 जुलाई 1991 को किया गया।
- अब तक तीन बार भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन किया गया है।

79. कौन-सी एक गैर-प्रायिकता आधारित नमूनाकरण विधि है?

- (a) प्रणालीगत नमूनाकरण
(b) कोटा नमूनाकरण
(c) अनुक्रम यादृच्छिक नमूनाकरण
(d) साधारण यादृच्छिक नमूनाकरण

उत्तर—(b)

कोटा नमूनाकरण एक गैर-प्रायिकता आधारित नमूनाकरण विधि है।

80. ए. डब्ल्यू. फिलिप्स का मजदूरी-मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी अन्तर्सम्बन्ध आधारित है-

- (a) स्थिर अपेक्षा परिकल्पना पर
(b) अनुकूलक अपेक्षा परिकल्पना पर
(c) बाह्य गणन अपेक्षा परिकल्पना पर
(d) युक्तिक अपेक्षा परिकल्पना पर

उत्तर—(b)

वर्ष 1958 में प्रख्यात ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू. फिलिप्स ब्रिटेन के लगभग 100 वर्षों के ऐतिहासिक आंकड़ों का उपयोग करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि बेरोजगारी की दर तथा मुद्रास्फीति की दर के मध्य विपरीत संबंध पाया जाता है। इस विपरीत संबंध का अभिप्राय एक प्रतिस्थापन (Trade off) से होता है जिसमें बेरोजगारी कम करने के लिए मुद्रास्फीति की अपेक्षाकृत अधिक दर के रूप में कीमत चुकानी पड़ती है तथा मुद्रास्फीति की दर को कम करने के लिए बेरोजगारी की अपेक्षाकृत ऊंची दर के रूप में कीमत अदा करनी होती है। ऐतिहासिक आंकड़े रेखाचित्र के रूप में वक्र का रूप देने से फिलिप्स को नीचे की ओर गिरता हुआ वक्र मिला जो मुद्रास्फीति की दर तथा बेरोजगारी की दर के मध्य विपरीत संबंध प्रदर्शित करता है और अब यह वक्र 'फिलिप्स वक्र' के नाम से प्रसिद्ध है। परंतु मिल्टन फ्रीडमैन ने स्थिर फिलिप्स वक्र की धारणा को चुनौती दी और कहा कि मुद्रास्फीति की दर तथा बेरोजगारी के बीच ट्रेड-ऑफ (Trade-off) अल्पकाल में होता है, दीर्घकाल में यह समाप्त हो जाता है।

81. भारत में मौद्रिक समाहार के संबंध में, M_1 कहलाती है-

- (a) वृहत् मुद्रा (b) भंडारित मुद्रा
(c) संकीर्ण मुद्रा (d) मुद्रा गुणक

उत्तर—(c)

वर्ष 1967-68 तक मुद्रा पूर्ति का केवल एक ही माप- M प्रदर्शित करता था ($M=C+DD+OD$) जो बाद में M_1 के रूप में व्यक्त हुआ। वर्ष 1967-68 के बाद RBI ने व्यापक मुद्रा की धारणा (M_3) स्वीकार की।

$$M_1 = C + DD + OD$$

$$M_2 = M_1 + \text{पोस्ट ऑफिस की बचत बैंक जमाएं}$$

$$M_3 = M_1 + \text{बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमाएं}$$

$$M_4 = M_3 + \text{पोस्ट ऑफिस की कुल जमाएं}$$

M_1 सबसे तरल तथा M_4 सबसे अतरल होता है।

M_3 को 'व्यापक मुद्रा' कहते हैं।

82. विश्व बैंक देशों को विकास के किस आधार पर वर्गीकृत करता है?

- (a) कृषिक आय (b) राष्ट्रीय आय
(c) प्रति व्यक्ति आय (d) जनसंख्या वृद्धि

उत्तर—(c)

विश्व बैंक देशों के विकास को प्रति व्यक्ति आय के आधार पर वर्गीकृत करता है। जिस देश की प्रति व्यक्ति आय अधिक होगी, उस देश की स्थिति को बेहतर माना जाता है।

83. अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम संबंधित है-

- (a) करारोपण से
(b) सार्वजनिक व्यय से
(c) सार्वजनिक ऋण से
(d) करारोपण और सार्वजनिक व्यय दोनों से

उत्तर—(d)

- (c) एक स्टॉक एक्सचेंज के बाहर सभी अंतरणों का लेखा तब होता है जब एक वार स्टॉक एक्सचेंज अगले दिन खुलता है और एक J-वक्र का अनुसरण करता है
- (d) कोई भी विश्व अर्थव्यवस्था प्रबंधन में उतनी विशेषज्ञ नहीं होती जितनी पिछली सफल अर्थव्यवस्था

उत्तर—(a)

एक J-वक्र का प्रभाव विदेशी विनिमय प्रबंधन के संबंध में व्याख्या करता है कि अधिशेष प्रेषण से पूर्व अवमूल्यन के बाद बीओपी में एक घाटा किया जाता है।

109. जब एक वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के साथ उस पर कुल परिव्यय स्थिर रहता है, तब यह मामला है-

- (a) पूर्णतः लोचशील मांग का
(b) पूर्णतः अलोचशील मांग का
(c) ऐकिक : लोचशील मांग का
(d) अपेक्षाकृत लोचशील मांग का

उत्तर—(c)

जब एक वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के साथ उस पर कुल परिव्यय स्थिर रहता है, तब यह ऐकिक : लोचशील मांग को प्रदर्शित करता है।

110. कॉब डगलस उत्पादन फलन $Q = AL^\alpha K^{1-\alpha}$ हेतु प्रतिस्थापन की लोचशीलता होती है-

- (a) शून्य
(b) अनंत
(c) एक
(d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

आगतों तथा निर्गतों के बीच एक तकनीकी संबंध होता है जो यह स्पष्ट करता है कि उत्पादक, आगतों की एक निश्चित मात्रा से अधिक से अधिक कितना उत्पादन प्राप्त कर सकता है। इस तकनीकी संबंध को ही 'उत्पादन फलन' कहते हैं।

$$Q = f(L, K)$$

कॉब-डगलस अपने उत्पादन फलन के सिद्धांत में दो साधनों को लेते हैं- श्रम तथा पूंजी।

$$Q = AL^\alpha K^{1-\alpha}$$

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कॉब-डगलस उत्पादन फलन से श्रम के सामूहिक सापेक्ष भाग के स्थिर रहने की व्याख्या होती है।
- कॉब-डगलस उत्पादन फलन रेखीय समरूप उत्पादन फलन है।
- पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्राप्त होते हैं।
- श्रम का सीमांत उत्पादन पूंजी श्रम अनुपात पर निर्भर करता है और साधनों के प्रयोग की गई मात्राओं से स्वतंत्र होता है।
- दो साधनों के बीच तकनीकी प्रतिस्थापन की लोच 'इकाई' के समान होती है।

111. मूल्य विभेदीकरण में मूल्य उस बाजार में उच्च होगा जहां मांग है-

- (a) कम लोचशील
(b) अधिक लोचशील
(c) ऐकिक लोचशील
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

विभेदात्मक एकाधिकार की स्थिति में एकाधिकारी मांग के मूल्य लोच के आधार पर बाजारों को कई भागों में बांट कर क्रेताओं से भिन्न-भिन्न कीमतें वसूलता है। जिस बाजार में मूल्य लोच अधिक उसमें सीमांत आय

अधिक तथा कीमत-विभेद लाभकारी होगा। $\left[MR = AR \left(\frac{e-1}{e} \right) \right]$ अतः

यदि $MR_1 > MR_2$ की स्थिति है तो एकाधिकारी प्रथम बाजार में अधिक वस्तुएं तथा दूसरे बाजार में कम वस्तुएं बेचेगा और वह दूसरे बाजार से वस्तु की बिक्री कम करके उसे प्रथम बाजार में बेचता चला जाएगा। यह क्रिया तब तक चलेगी जब तक कि दोनों बाजारों में सीमांत आय बराबर नहीं हो जाती ($MR_1 = MR_2$)। इस स्थिति में विभेदकारी एकाधिकारी के लाभ अधिकतम होंगे। विभेदकारी, एकाधिकारी, के संतुलन के लिए दो शर्तों की पूर्ति आवश्यक होती है-

1. सकल सीमांत आय (AMR) = सीमांत लागत (MC)
2. $MR_a = MR_b = MC$

112. 'इकोनोमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पटीशन' किसने लिखी?

- (a) चेंबरलीन
(b) जॉन रॉबिन्सन
(c) कॉर्नोट
(d) श्राफा

उत्तर—(b)

'इकोनोमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पटीशन' मि. जॉन रॉबिन्सन द्वारा लिखित पुस्तक है।

113. माल्थस सिद्धांत के मामले में, यदि मजदूरी बढ़ती है, तब इसका परिणाम होगा-

- (a) जनसंख्या में वृद्धि
(b) उत्पादन में वृद्धि
(c) जनसंख्या में कमी
(d) पूंजी केंद्रण में वृद्धि

उत्तर—(a)

माल्थस सिद्धांत के मामले में, यदि मजदूरी बढ़ती है, तब इसका परिणाम जनसंख्या में वृद्धि होगा।

114. किसका विश्लेषण इस मान्यता के साथ शुरू हुआ कि अर्थव्यवस्था के उत्पाद की कुल मांग की मात्रा चार प्रकार के व्ययों-उपभोक्ता व्यय, निवेश, सरकारी व्यय और निवल निर्यातों का योग था?

- (a) पॉल ए. सेम्युलसन का
(b) मिल्टन फ्रीडमैन का
(c) जॉन मेनार्ड कीन्स का
(d) सर जॉन हिक्स का

उत्तर—(c)

